

30 अप्रैल, 2023
पैशांच, शुल्क प्रति, दशली
संवत् 2080
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

रांची

रविवार, वर्ष 08, अंक 190

आजाद सिपाही

कलम कलम बढ़ाये जा



झारखंड में भी कलिगा
इस्टीट्यूट आँक सोशल
साइंसेज जैसे संस्थान
खालने की दिशा में सरकार
करेगी पहल : हेमंत सोरेन

अपील

100वीं कड़ी ऐतिहासिक सवांद



आमजनों से आग्रह है कि
आप देश में चाहें जहां भी हों
यशस्वी प्रधानमंत्री की
'मन की बात' अवश्य सुनें

30 अप्रैल 2023

समय: सुबह 10:00 बजे



निवेदक

रमेश सिंह

प्रदेश कार्यसमिति सदस्य
भाजपा, झारखंड प्रदेश



दिनांक : 30.04.2023, समय: सुबह 10:00 बजे स्थान : इंद्रपुरी नवयुवक समिति मंदिर प्रांगण, रातू रोड, रांची



आम आदमी का 45 करोड़ी शीशमहल

■ आठ-आठ लाख के पर्दे, चार-चार लाख का कमोड, मार्बल वियतनाम का
■ लोगों को पच नहीं रही आंदोलन से उपजे अरविंद केजरीवाल की यह शाहखर्ची

करीब 10 साल पहले जब भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी से सूचना के अधिकारी की सहाये अंना आंदोलन के मध्य पर चढ़े अरविंद केजरीवाल ने 2013 में एक नयी पार्टी के साथ दिल्ली की राजनीति में कदम रखा था, तब किसी ने सोचा नहीं था कि आम आदमी पार्टी का यह नेता राजनीति के मैदान में इतनी तेजी से सीधियां चढ़ेगा। लेकिन केजरीवाल ने केवल 10 साल के अंदर ही पार्टी को देश भर में स्थापित कर दिया और इसके साथ ही उनके साथ विवादों का जुड़ना भी शुरू हो गया। एक बत्त था, जब अरविंद केजरीवाल मृद्घमत्री पर मथुरा के सपथ लेने के लिए मट्रों से गेये थे। उनके मंत्री शपथ लेने आँटो और कुछ साइक्लन से पहुंचे थे। केजरीवाल को अपना तीन कमरोंवाला ही घर पर्संद था, लेकिन जैसे-जैसे उनकी

राजनीतिक अभिलाषा बढ़ी, उनका रंग भी समझने आता गया। आज खुद को आम आदमी का मसीहा समझनेवाले अरविंद केजरीवाल को 45 करोड़ के आलीशान महल की जरूरत महस्स पड़ने लगी। लाखों के पर्दे, लाखों का टॉयलेट सीट, करोड़ों के इंटीरियर्स, मकराना का मार्बल और बेशकीमीती लाइट फिटिंग्स की जरूरत महस्स होने लगी। एक आम आदमी का घर 45 करोड़ का। क्या बात है। यहाँ तो 45 लाख का घर खरीदने के लिए एक आम आदमी को 45 वर्ष की आयु लग जाती है।

संपादकीय

पहलवानों का आंदोलन

सा त महिला पहलवानों की यौन उत्पीड़न की शिकायत के मामले में शुक्रवार को आखिर दिल्ली पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर लिया, लेकिन इस मामले में अब तक पुलिस और स्थल प्रशासन का जैसा ढीला-ढाल रखवा रहा है, उससे उपरे सवाल इस पेशकश से समाप्त नहीं हुए हैं। कुशी की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में गोल्ड लाकर देश का नाम ऊंचा करने वाली महिला पहलवानों ने कुशी महासंघ के अध्यक्ष पर योन उत्पीड़न का अंग्रेज लगाया, यहीं अपने अपने में इनीं बड़ी बात थी कि देश के पूरे खेल ढाँचे को अलर्ट मोड में आ जाना चाहिए था। मामले में अपनी तरफ से पूरी तरह कात करते हुए यह बात शीर्ष की तरह सफ बाट देनी चाहिए था। मामले में अपनी तरफ से यहीं तरह सफ बाट देनी चाहिए था। न ते शिकायत करने वाले संतुष्ट हुए और न आरोपों के खेल में आए लोग बेक्सू संबित हुए। इस ढीला-ढाल परेस्यास का ही परिणाम था कि महिला पहलवानों को एक बार फिर जंतर-भंतर पर बैठना पड़ा। उससे

पहले ही वे पुलिस में शिकायत की तरफ भी दर्ज करवा चुकीं थी। कायदे से इनीं गंभीर शिकायत पर तकाल एक आईआर दर्ज होनी चाहिए थी, जांच-पड़ताल उसके बाद की जा सकती थी, लेकिन पता नहीं पुलिस के मन में क्या संशय था, उसने

एफआईआर भी दर्ज नहीं की। जब पहलवान सुधीम कोर्ट में शुरू होने पर अपनी तरफ से कह दिया कि वह आज ही एफआईआर दर्ज कर लेगी। यह स्पष्ट नहीं हो सका कि अधिकरियों के द्वारा यह क्या बात होती है और किन बजाए से वर्चित कर दिया गया। उनकी पहचान के बाद एक बेटी के रूप में एक पत्री के रूप में वा

अभिमत आजाद सिपाही

प्रायीन भारत में, महिलाओं को भी पुरुषों के बाट बहसों, प्रशासन, संपत्ति उत्तराधिकार, विद्वापूर्ण ज्ञान आदि के मामले में गौके दिये जाते थे। बाट में महिलाओं को शिक्षा, सामाजिक स्थिति और काफी हृदय तक उनके अस्तित्व से विद्वापूर्ण स्त्री लिया नहीं है, बल्कि इसका अर्थ इससे भी कहीं आगे है।

सुधा मूर्ति

ब्रह्म नार्यस्तु पूज्यन्ते

रमन्ते तत्र देवता...

यह शोक हजारों वर्ष

पहले हमारे भारत में

उस समय लिखा



गया था जब हमारे पूर्वज ने नारी की शक्ति से अच्छी तरह परिवर्तित थे। द्वामहिलालाल से आशय सिर्फ स्त्री लिया नहीं है, बल्कि इसका अर्थ इससे भी कहीं आगे है।

महिलाएं समाज का आधा हिस्सा हैं और वे परिवार की रीढ़ होती हैं। जहां महिलाओं का सम्मान होता है और उन्हें सही दर्जा मिलता है, वहां देवता की तरह करते हैं। लेकिन किसी तरह जारी रखने के लिए सदियों से विभिन्न कारणों से हमारी महिलाओं को घरों के भीतर रखा गया।

प्राचीन भारत में, महिलाओं को भी पुरुषों के बाबावर माना जाता था और उन्हें बौद्धिक बहसों, प्रशासन, संपत्ति उत्तराधिकार, विद्वापूर्ण ज्ञान आदि के मामले में गौके दिये जाते थे। बाट में महिलाओं को शिक्षा, सामाजिक स्थिति और काफी हृदय तक उनके अस्तित्व से विद्वापूर्ण ज्ञान आगे है।

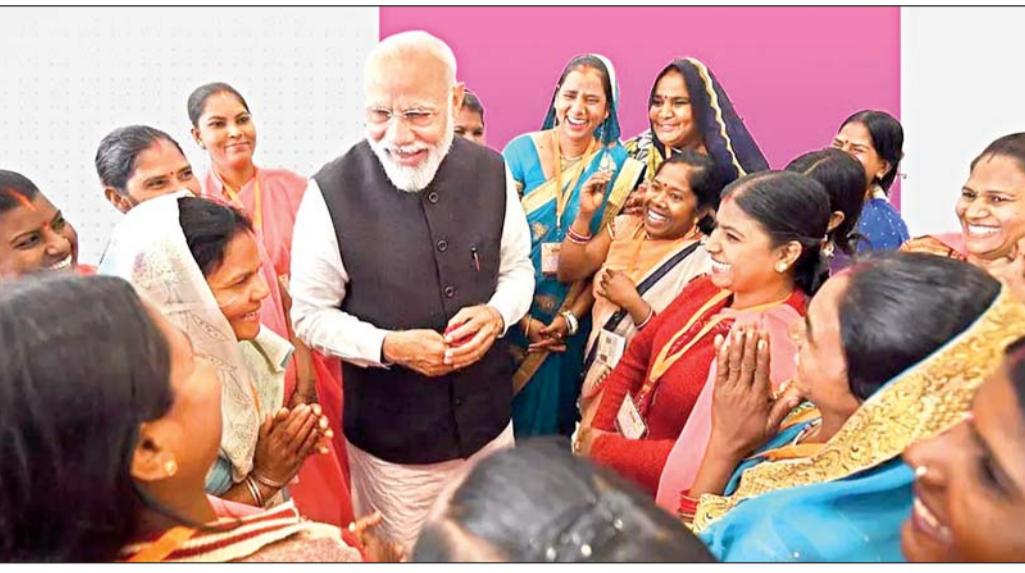
केवल एक बेटी के रूप में, एक

पत्री के रूप में वा एक मां के रूप में ही सिमट गयी और उन्हें समानता एवं साहस के गोरव से वर्चित हो जाना पड़ा।

मुझे लगता है कि महिलाएं पेड़ से बंधी मादा हाथी की तरह होती हैं। एक मादा हाथी के लिए एक पेड़ को

उड़ाड़ देना कोई बड़ी बात नहीं है, और वह उड़ जाता है तो उसका बाबर आना कौन से बेटे के लिए उसको उड़ान देता है। यह अपनी क्षमता की जरूरत होती है।

महिलाओं के मामले में भी कुछ ऐसा ही है। वे कुशल प्रबंधक होती हैं, परिवार की नींव होती हैं, बेबद मेहनती होती हैं; लेकिन वे इस मानसिकता में



जहांडी होती हैं कि वे अपनी शक्तियों का प्रयोग नहीं कर सकतीं वा अपनी क्षमताओं का उपयोग नहीं कर सकतीं।

इस तरह से सोचना संभव है कि क्योंकि किसी भी हलचल वा लहर को प्रेरित करने के लिए एक प्रथान बिंदु को जरूरत होती है। यह बिंदु मिलने के लिए 'रेसेल्पी' को जौन उनकी मदद तक उनके अस्तित्व से वर्चित कर दिया गया। उनकी पहचान के बाद एक बेटी के रूप में नीति प्रदान करेगा या कौन से बातों के लिए उनकी भीतर रखा गया।

किसने नारी शक्ति को प्रोत्साहित किया और महिलाओं को वह बाद दिलाया कि देश के राष्ट्रीय धन के निर्माण में उनकी भी जिम्मेदारी है? इस नेता ने यह सब 2014 में शुरू हुए मन की बात की विभिन्न बिंदुओं के जरिए किया, जिसमें बच्चों में परीक्षा का डर, माता-पिता का दबाव, महिला सशक्तिकरण (नारी शक्ति) आदि जैसे विभिन्न समाजिक मुद्दे शामिल थे। वह नेता कोई और नहीं बल्कि हमारे प्रधानमंत्री हैं।

किसने नारी शक्ति को प्रोत्साहित किया और महिलाओं को वह बाद दिलाया कि देश के राष्ट्रीय धन के निर्माण में उनकी भी जिम्मेदारी है? इस नेता ने यह सब 2014 में शुरू हुए मन की बात की विभिन्न बिंदुओं के जरिए किया, जिसमें बच्चों में परीक्षा का डर, माता-पिता का दबाव, महिला सशक्तिकरण (नारी शक्ति) आदि जैसे विभिन्न समाजिक मुद्दे शामिल थे। वह नेता कोई और नहीं बल्कि हमारे प्रधानमंत्री हैं।

जब एक अच्छा नेता बिना किसी अतिशयोकि के लगातार बात करता है, तो लोग सुनते हैं और उसपर विश्वास करते हैं और फिर अनुसरण करते हैं। श्री मोदी जो बोलते हैं और उनकी जो आश होती है, उसको लेकर पूरा देश उन पर आग्रह भरोसा करता है। खासकर महिलाएं, जिन्हें उनकी बातों और परियोजनाओं से बहुत लाभ हुआ है। आज विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं ने बहुत कुछ हासिल किया है। जब महिलाएं असाधारण कार्य करती हैं, तो उनका नाम लिया जाता है और उनकी सराहना की जाती है और उनकी धन्यवाद देना चाहती है। इसने मेरी अंखों को धूएं से बचाया है और मेरे स्वास्थ्य को बेहतर किया है। एक अन्य महिला ने कहा, मैं अब शोबालय जाने में सुरक्षित महसूस करती हूँ।

कुछ बुड़ी औरें आगे आईं और बोलीं, हम 'मन की बात तो सुनती हैं, लेकिन धन्यवाद कैसे करेंगे।

जब एक अच्छा नेता बिना किसी अतिशयोकि के लगातार बात करता है, तो लोग सुनते हैं और उसपर विश्वास करते हैं और फिर अनुसरण करते हैं। श्री मोदी जो बोलते हैं और उनकी जो आश होती है, उसको लेकर पूरा देश उन पर आग्रह भरोसा करता है। वे इन्हीं लिए आदर्श बन जाती हैं और उनकी धन्यवाद देना चाहती है। उनके आंखों ने देखा कि यह बात आपका धन्यवाद करना चाहती है। उनके आंखों ने देखा कि यह बात आपका धन्यवाद करना चाहती है।

मैंने उनसे कहा था कि कभी, कहीं,

किसी अतिशयोकि के लिए उनका नाम लिया जाता है और उनकी सराहना की जाती है और उनकी धन्यवाद देना चाहती है।

मुझे एक बार फिर से यह शोक बाद आया, यह नार्यस्तु पूज्यन्ते तरत देवता।

(लेखिका : पच भूषण समान प्रास, शिक्षाविद और समाजसेवी हैं।)

जमशेदपुर एसएसपी ने चाकुलिया और बहरागोड़ा थाने का किया निरीक्षण, पदाधिकारियों को दिये दिशा निर्देश

आजाद सिपाही संवाददाता



में थाना अधिलेखों की गहनता से थाना प्रभारी वर्षण कुमार यादव से थाना में लिखते थे। लेकिन उसके पास एसएसपी ने बहरागोड़ा थाना पर निरीक्षण की थी। अच्छा है कि यह जारी होती है, यह जारी होती है। अच्छा है कि यह अपनी क्षमता का उपयोग नहीं करती है।

वहीं उन्होंने निरीक्षण के क्रम

में थाना अधिलेखों की गहनता से थाना प्रभारी की और पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस मैके पर धार्दिलाला के एसटीपीओं को कुलदीप टोपी से समेत अन्य पदाधिकारी की गहनता से थाना पर निरीक्षण किया और थाना ले गया।

तिवारी से लाभित समाले की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस मैके पर धार्दिलाला के एसटीपीओं को कुलदीप टोपी से समेत अन्य पदाधिकारी की गहनता से थाना पर निरीक्षण किया और थाना ले गया।

तिवारी से लाभित समाले की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस मैके पर धार्दिलाला के एसटीपीओं को कुलदीप टोपी से समेत अन्य पदाधिकारी की गहनता से थाना पर निरीक्षण किया और थाना ले गया।

तिवारी से लाभित समाले की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस मैके पर धार्दिलाला के एसटीपीओं को कुलदीप टोपी से समेत अन्य पदाधिकारी की गहनता से थाना पर निरीक्षण किया और थाना ले गया।

तिवारी से लाभित समाले की जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश दिये। इस मैके पर धार

देश-विदेश / ओडिशा

मुख्यमंत्री ने श्री जगन्नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना कर झारखंड वासियों की उन्नति, सुख-शांति-समृद्धि की प्रार्थना की

झारखंड में भी कलिंग इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज जैसे संस्थान खोलने की दिशा में सरकार करेगी पहल : हेमंत सोरेन

नवाली संगठन कार्य हृद तक हो चुके हैं कलगढ़, सर्वी राज्य निकार नवाली गतिविधियों पर अकुश लगाव में होंगे कानूनाव

आजाद सिपाही संवाददाता

भुवनेश्वर। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को अपनी धर्मपती श्रीमती कल्पना सोरेन संग श्री जगन्नाथ मंदिर, पुरी, ओडिशा के दर्शन किये इस मौके पर उन्होंने पारंपरिक विधि-विधान से भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा की पूजा-अर्चना कर झारखंड और झारखंडवासियों की उन्नति, सुख-समृद्धि-शांति, खुशहाली और स्वस्थ जीवन के लिए प्रार्थना की। इस मौके पर उन्होंने आशीर्वाद के रूप भगवान जगन्नाथ का भोग ग्रहण किया। इससे पहले मुख्यमंत्री के वहां आपना पर्माणेश्वर की ओर से उनका पारंपरिक तरीके से रुपमंत्री विद्या गया और प्रतीक चिन्ह के रूप में श्री जगन्नाथ मंदिर की तस्वीर सप्रेम भेंट की गयी।



चैप स्कॉलर के प्रीतिक रतन को जेइ मैस 2023 में एआईआर-613 जेइ मैस परीक्षा में चैप स्कॉलर के कुल 391 बच्चों का शानदार प्रदर्शन

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। जेइ मैस परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ। इसमें चैप स्कॉलर के छात्र-छात्राओं ने उत्कृष्ट सफलता अर्जित की है। इस संस्थान का अस्तित्व 2015 में आया और प्रथम वर्ष से ही यहां के विद्यार्थी जेइ मैस और एडवांस में बेहतरीन प्रदर्शन रहा है। वह संस्थान सामान्य क्षमता वाले छात्र-छात्राओं को भी उच्चस्तरीय ज्ञान एवं उच्च मानक समर्थन के बल पर उनके अंदर रिजल्ट अरिएटेट भगवान को जागृत कर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में सक्षम रहा है। चैप स्कॉलर का ज्ञानखंड में सर्वश्रेष्ठ चयन अनुपात



जेइ मैस 2023 में ब्रदर्स ऐकेडमी के छात्रों का शानदार प्रदर्शन ब्रदर्स ऐकेडमी के 400 से अधिक छात्रों ने जेइ मैस परीक्षा में पायी सफलता

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। किसलय (एआईआर-554) और निशांत (एआईआर-638) ने अपने ब्रदर्स ऐकेडमी से ब्रदर्स ऐकेडमी का गौरव बढ़ावा दिया है। ब्रदर्स ऐकेडमी के कुछ छात्र, जिहोंने उक्त परीक्षा में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है, उनके नाम इस प्रकार हैं : किसलय, निशांत कुमार, पलक चौधरी, आशना, अभिजीत, कनिक प्रतिवार, अर्नव प्रतिवार, इश्ता बेटी, आरुषा, अंश जालान, निशांत मीर, प्रियंका मिश्रा, अंश साह, निशांत कुमार, साह, सूजन स्वप्निल, आलोक यादव, साकेत



न्यूटन ट्यूटोरियल के अनब्ये एआईआर 270 और एआईआर 379 रैंक लाकर अंकित अव्वल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। इस वर्ष जेइ मैस 2023 की परीक्षा में हरिअम टावर, सरकुलर रोड, रांची शिवित न्यूटन ट्यूटोरियल प्राइवेट लिमिटेड के छात्रों ने एक वर्ष की तरह एस वर्ष भी उत्कृष्ट प्रदर्शन याहां के विद्यालयों के उचित मार्गदर्शन में किया।



जिसका रैंक 15000 के अंदर

यात्रा सोनी 585, प्रदीप मोदक

8544, पल्लवी कुमारी 9874,

अंकित कुमार 379, अनिकेत

कुमार 1537, शिवम कुमार

1940), मो. ए 7175, मोहित

कुमार 7518, शिवम मोदी 8845,

में, जिसका रैंक 15000 के अंदर

यात्रा सोनी 585, प्रदीप मोदक

8544, पल्लवी कुमारी 9874,

अंकित कुमार 379, अनिकेत

कुमार 1537, शिवम कुमार

1940), मो. ए 7175, मोहित

कुमार 7518, शिवम मोदी 8845,

में, जिसका रैंक 15000 के अंदर

यात्रा सोनी 585, प्रदीप मोदक

8544, पल्लवी कुमारी 9874,

अंकित कुमार 379, अनिकेत

कुमार 1537, शिवम कुमार

1940), मो. ए 7175, मोहित

कुमार 7518, शिवम मोदी 8845,

में, जिसका रैंक 15000 के अंदर

यात्रा सोनी 585, प्रदीप मोदक

8544, पल्लवी कुमारी 9874,

अंकित कुमार 379, अनिकेत

कुमार 1537, शिवम कुमार

1940), मो. ए 7175, मोहित

कुमार 7518, शिवम मोदी 8845,

में, जिसका रैंक 15000 के अंदर

यात्रा सोनी 585, प्रदीप मोदक

8544, पल्लवी कुमारी 9874,

अंकित कुमार 379, अनिकेत

कुमार 1537, शिवम कुमार

1940), मो. ए 7175, मोहित

कुमार 7518, शिवम मोदी 8845,

में, जिसका रैंक 15000 के अंदर

यात्रा सोनी 585, प्रदीप मोदक

8544, पल्लवी कुमारी 9874,

अंकित कुमार 379, अनिकेत

कुमार 1537, शिवम कुमार

1940), मो. ए 7175, मोहित

कुमार 7518, शिवम मोदी 8845,

में, जिसका रैंक 15000 के अंदर

यात्रा सोनी 585, प्रदीप मोदक

8544, पल्लवी कुमारी 9874,

अंकित कुमार 379, अनिकेत

कुमार 1537, शिवम कुमार

1940), मो. ए 7175, मोहित

कुमार 7518, शिवम मोदी 8845,

में, जिसका रैंक 15000 के अंदर

यात्रा सोनी 585, प्रदीप मोदक

8544, पल्लवी कुमारी 9874,

अंकित कुमार 379, अनिकेत

कुमार 1537, शिवम कुमार

1940), मो. ए 7175, मोहित

कुमार 7518, शिवम मोदी 8845,

में, जिसका रैंक 15000 के अंदर

यात्रा सोनी 585, प्रदीप मोदक

8544, पल्लवी कुमारी 9874,

अंकित कुमार 379, अनिकेत

कुमार 1537, शिवम कुमार

1940), मो. ए 7175, मोहित

कुमार 7518, शिवम मोदी 8845,

में, जिसका रैंक 15000 के अंदर

यात्रा सोनी 585, प्रदीप मोदक

8544, पल्लवी कुमारी 9874,

अंकित कुमार 379, अनिकेत

कुमार 1537, शिवम कुमार

1940), मो. ए 7175, मोहित

कुमार 7518, शिवम मोदी 8845,

में, जिसका रैंक 15000 के अंदर

यात्रा सोनी 585, प्रदीप मोदक

8544, पल्लवी कुमारी 9874,

अंकित कुमार 379, अनिकेत

कुमार 1537, शिवम कुमार

1940), मो. ए 7175, मोहित

कुमार 7518, शिवम मोदी 8845,

में, जिसका रैंक 15000 के अंदर

यात्रा सोनी 585, प्रदीप मोदक

8544, पल्लवी कुमारी